भोले जी ओ भोले जी | by Rajan Mor

भोले जी ओ भोले जी
गोरा पति ओ भोले जी
पीके तेरी भंगिया मेरा
देखो तन मन डोले जी

लाखों दुखिया द्वार पे तेरे
शाम सवेरे जपते हैं माला
जो भी तेरी शरण में आये
जीवन में होता उनके उजाला
शाम सवेरे तेरे नाम का
सिमरन करू मैं भोले जी

गले में तेरे सर्प विराजे
माथे पे तेरे चंदा चमके
तेरी अद्भुत छवि निराली
जादू जगाये धूनी रम के
कृपालु ओ कृपालु
भोले मेरे कृपालु
हम पे दया बरसाना जी

तेरी पूजा कुछ ना जानू
भक्त अनाड़ी कहती है दुनिया
लिखता रहेगा भजन तुम्हारा
राजा गोहेर सारी उमरिया
गमो ने जब जब घेरा है
तूने संभाला भोले जी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%93-%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%9c%e0%a5%80-by-rajan-mor/